लघु व्यवसाय प्रबंधन

अप्रैल - मई 2021

आई आई एम रोहतक –परिचय

भारतीय प्रबंध संस्थान, रोहतक, भारत सरकार के मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा स्थापित शीर्ष आई आई एम में से एक है। इसका लक्ष्य प्रबंधन शिक्षा में एक वैश्विक नेतृत्वकर्ता बनना है। विशेष रूप से, आई आई एम रोहतक भारत में शीर्ष प्रबंधन संस्थान के रूप में स्थित है तथा विद्वानों, प्रबंधकों, आचार्यों एवं नीति-निर्माताओं के सृजन हेतु प्रयासरत है जो उत्कृष्ट कार्य-नैतिकता, उच्च प्रतिबद्धता और सकारात्मक दृष्टिकोण का प्रदर्शन कर सकेंगे ।

कार्यक्रम परिचय

सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (MSME) अनुभाग, भारतीय अर्थव्यवस्था के उद्भव द्वारा विश्व में एक अग्रणी अर्थव्यवस्था के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। विभिन्न उद्योगों में लगभग 46 मिलियन सूक्ष्म, लघु और मध्यम क्षेत्र के उद्यम हैं। इस अनुभाग में भारतीय औद्योगिक उत्पादन का 45% और निर्यात का 40% अनुपात है।

सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों या छोटे आकार के पारिवारिक व्यवसायों के प्रबंधन से संबद्ध व्यक्तियों को जिन चुनौतियों का सामना करना पड़ता है वे व्यापारिक संगठनों द्वारा निपटने वाली चुनौतियों से भिन्न हैं। वर्तमान जटिल और अस्थिर व्यावसायिक परिवेश को समझने के लिए ऐसे व्यवसाय खुद को प्रतिकूल परिस्थिति में पाते हैं। आज, किसी भी व्यवसाय की स्थिरता बदलती नीति परिदृश्य के माध्यम से चलने, तेजी से सामना करने वाले तकनीकी विकासों का दोहन करने और उग्र आर्थिक परिदृश्य के अनुसार योजना बनाने की उनकी क्षमता पर निर्भर करता है। यह कार्यक्रम विशेष रूप से ऐसे व्यक्तियों के लिए अभिकल्पित किया गया है जो अपने व्यवसायों की विशिष्ट आवश्यकताओं को पूरा कर सकें।

कार्यक्रम के परिणाम

- व्यवसाय संचालन की परिष्कृत समझ।
- प्रबंधकीय कौशल का लाभ उठाने और उन्हें व्यावसायिक लक्ष्यों के साथ जोड़ने की विचार क्षमता को बढ़ाना।
- नई अवधारणाओं, रूपरेखाओं और प्रबंधन सिद्धांत के माध्यम से प्रबंधन की तीव्र समझ जो आधुनिक और विविध कार्यस्थल की रचना में सहायक सिद्ध हो सकती है ।
- प्रबंधन/विस्तार/पुनः उन्मुख व्यवसायों की समझ विकसित करने के लिए महत्वपूर्ण कौशल विकसित करना।
- व्यवसाय प्रबंधन के सिद्धांतों और कार्यबल के प्रबंधन की क्षमता को समझना।
- प्रमुख विशेषज्ञों और आईआईएम संकाय से मार्गदर्शन।
- आईआईएम रोहतक के प्रबंधन विकास कार्यक्रम पूर्व छात्र पद (MDP Alumni Status)

कौन लाभ प्राप्त कर सकते हैं

ऐसे व्यक्ति जो सूक्ष्म / लघु / मध्यम व्यवसायों का प्रबंधन कर रहे हैं और प्रबंधकीय और विश्लेषणात्मक कौशल के माध्यम से अपने व्यवसाय के प्रभाव और प्रदर्शन को बेहतर बनाना चाहते हैं, उन्हें इस कार्यक्रम में भाग लेना चाहिए।

कार्यक्रम अवधि

14 दिन (2 सप्ताह)

कार्यक्रम स्थल

मिश्रित अधिगम प्रणाली (2 दिन परिसर में और उसके उपरान्त 12 दिन ऑनलाइन प्रणाली द्वारा)

कार्यक्रम निदेशक

प्रो. धीरज शर्मा, भारतीय प्रबंध संस्थान रोहतक के निदेशक हैं। वह भारतीय प्रबंध संस्थान अहमदाबाद में प्रोफेसर (अवकाश पर) भी हैं। बीस से अधिक वर्षों के अनुभव में, उन्होंने यूरोप, एशिया और उत्तरी अमेरिका के कई शिक्षण संस्थानों में पढ़ाया है। प्रो. शर्मा के पास विपणन रणनीति में प्रमुख और मनोविज्ञान एवं मात्रात्मक विश्लेषण में डबल माइनर के साथ लुइसियाना टेक विश्वविद्यालय, यूएसए से व्यवसाय प्रशासन में डॉक्टरेट की उपाधि है। प्रो. शर्मा के 100 से अधिक लेख प्रतिष्ठित पत्रिकाओं और सम्मेलन की कार्यवाही में प्रकाशित हुए हैं। वह निजी क्षेत्र और सार्वजनिक नीति क्षेत्र में कई संगठनों के साथ परामर्श कार्य और / या कार्यकारी प्रशिक्षण में सम्मिलित रहे हैं।

कार्यक्रम सामग्री

मापांक (Module) 1	गैर-वित्त के लिए वित्त
मापांक (Module) 2	तुलन पत्र को समझना
मापांक (Module) 3	लाभ और हानि विवरण को समझना
मापांक (Module) 4	सूची प्रबंधन को समझना
मापांक (Module) 5	विपणन के सिद्धांतों को समझना
मापांक (Module) 6	बिक्री बल प्रबंधन को समझना
मापांक (Module) 7	नकदी प्रवाह को समझना
मापांक (Module) 8	व्यवसायों को अनुपातिक दरों से बढ़ाना
मापांक (Module) 9	सरकारी नीतियों और व्यवसाय पर इसके निहितार्थ को समझना
मापांक (Module) 10	बैंक वित्त को समझना

कार्यक्रम शुल्क

रु .45, 000 प्रति भारतीय प्रतिभागी (18% GST अतिरिक्त) (अध्ययन सामग्री और संस्थागत शुल्क सहित)। आवास और भोजन शुल्क इसमें सम्मिलित नहीं हैं।

संपर्क

मुख्य कॉर्पोरेट सम्बन्ध अधिकारी

01262-228505/ 7082001619/ 7082001611

cr.office@iimrohtak.ac.in

भारतीय प्रबंध संस्थान रोहतक

मैनेजमेंट सिटी, एनएच 10, दक्षिणी बाईपास, सुनारिया, रोहतक- 124010